www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 123 | जौनपुर बुधवार, 17 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

वोट चोरी पर कांग्रेस के आरोपों से उमर अब्दुल्ला ने खुद को किया अलग

कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के कथित श्वोट चोरीश अभियान से इंडिया गठबंधन को अलग करते हुए कहा कि इस मुद्दे से गठबंधन का कोई लेना–देना नहीं है। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंडिया गठबंधन का इससे कोई संबंध नहीं है। हर राजनीतिक दल को अपना राजनीतिक एजेंडा तय करने की आजादी है। कांग्रेस ने श्वोट चोरीश को अपना मुख्य राजनीतिक मुद्दा बना लिया है... हम अपने मुद्दे खुद चुनेंगे। वहीं दूसरी ओर, भाजपा नेता शशांक मणि ने कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समझते हैं कि श्वोट चोरीश अभियान किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं बल्कि मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए है । इस मुद्दे पर बोलते हुए मणि ने कहा कि मुझे लगता है उमर जी समझ रहे हैं कि एसआईआर का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं बल्कि वास्तविक मतदाता सूची को सामने लाना है। उन्हें यह एहसास है कि यह केवल चुनावी सुधारों का मामला है। इस तरह लोग भारत गठबंधन से अलग होते रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि संशोधन प्रक्रिया केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है। रविवार को कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में श्वोट चोर गद्दी छोड़ रैली का आयोजन किया।

हुड्डा की हुंकार, हरियाणा को मिले मेजबानी का हक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेलों 2030 के आधिकारिक आयोजन स्थल के रूप में अहमदाबाद के चयन की आलोचना करते हुए इसे हरियाणा के साथ घोर अन्याय बताया। हुड्डा ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक में भारत के लगभग 50: पदक हरियाणा राज्य से आते हैं, फिर भी गुजरात के पक्ष में हरियाणा को नजरअंदाज कर दिया गया है। हुड्डा ने कहा कि हमारे साथ घोर अन्याय हुआ है। राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक में 50: पदक लाने वाला हरियाणा राज्य उपेक्षित रहा है। जब भारत को राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए चुना गया, तो अहमदाबाद और गुजरात को चुना गया। उन्होंने हरियाणा के एथलीटों की कथित उपेक्षा पर जोर देते हुए यह बात कही। कांग्रेस सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि अगर राज्य में पर्याप्त निवेश किया जाए तो हरियाणा और भी अधिक पदक जीत सकता है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत हरियाणा को सबसे कम बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने आग्रह किया कि राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हरियाणा में किया जाए, या कम से कम राज्य को अहमदाबाद के साथ सह– मेजबानी की अनुमति दी जाए।

भारत की 8 प्रतिशत की विकास दर, इनोवेशन संचालित नीतियों का नतीजा : पीएम मोदी

अम्मान, (एजेंसी)। भारत–जॉर्डन बिजनेस फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ बढ़ रहा है और देश की वृद्धि दर 8 प्रतिशत से अधिक है। यह उत्पादकता संचालित शासन और इनोवेशन संचालित नीतियों का नतीजा है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में भारत में जॉर्डन के निवेशकों के लिए अवसर के नए दरवाजे खुले रहे हैं और यहां के निवेशक भारत में निवेश कर अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जॉर्डन के बीच फार्मा और मेडिकल उपकरण क्षेत्र में अपार संभावनाएं है। आज हेल्थकेयर केवल एक सेक्टर नहीं रह गया है,

बल्कि एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गया है। अगर भारतीय कंपनियां जॉर्डन में दवाएं और मेडिकल उपकरण बनाती हैं, तो इससे जॉर्डन के लोगों को तो फायदा होगी, बल्कि जॉर्डन अफ्रीका और पश्चिम एशिया के भी एक भरोसेमंद हब बन सकता है। रिन्यूएबल एनर्जी में देश में हुए विकास पर पीएम मोदी ने कहा कि आज की दुनिया ग्रीन ग्रोथ के बिना आगे नहीं बढ़ सकती है, क्योंकि क्लीन एनर्जी अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गई है।उन्होंने आगे कहा कि भारत सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन और एनर्जी स्टोरेज में भारत एक बड़े निवेशक के रूप में काम रहा है। जॉर्डन के पास भी इस सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं, जिसे हम अनलॉक कर सकते हैं। साथ ही कहा कि इस प्रकार ऑटोमोबाइल और ईवी में भी कई संभावनाएं हैं और भारत किफायती ईवी और दोपहिया एवं सीएनजी मोबिलिटी में शीर्ष देशों में एक है और हमें ज्यादा से ज्यादा काम मिलकर करना चाहिए।

पिछली सरकारों की गलतियों को सुधारने में जुटी मौजूदा दिल्ली सरकार : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जलभराव और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत सुनहरी पुल नाले के डी–सिल्टिंग कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के सभी प्रमुख नालों की गाद निकालने का काम गंभीरता से कर रही है ताकि बरसात के समय जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके और यमुना नदी में प्रदूषित पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से बारापुला ड्रेन और सुनहरी पुल नाले का कई बार दौरा किया गया है। उन्होंने कहा कि जब भी बारिश होती थी, इस इलाके के आसपास की सभी कॉलोनियों में पानी भर जाता था। यह समस्या एक–दो बार नहीं, बल्कि हर मानसून में सामने आती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नाले की डी–सिल्टिंग का काम पहले भी कई बार किया गया

है और सभी संबंधित एजेंसियां इस स्थिति से भली–भांति परिचित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नाला वर्ष 2010 में बनाया गया था, लेकिन इसके निस्तारण के लिए कहीं भी उचित आउटलेट नहीं दिया गया था, जिससे इसकी नियमित सफाई संभव नहीं हो पाती थी। उन्होंने कहा कि आज की सरकार इन बुनियादी खामियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। चाहे दिल्ली में जलभराव की समस्या हो या प्रदूषण की चुनौती, दिल्ली के लोग पिछली सरकारों की गलत नीतियों और लापरवाहियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने समय रहते सही तरीके से काम किया होता,।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। ग पर एक पोस्ट में शाह ने लिखा कि भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

नितिन नबीन जी से मुलाकात की और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। सोमवार को नितिन नबीन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे। 45 वर्षीय नितिन नबीन भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। बिहार से पांच बार विधायक रह चुके नबीन वर्तमान में राज्य के सड़क निर्माण मंत्री हैं और इससे पहले शहरी विकास एवं आवास और विधि विभाग जैसे विभागों का कार्यभार संभाल चुके हैं। सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर नवीन का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोशपूर्ण नारों के साथ स्वागत किया। उन्होंने पार्टी मुख्यालय में श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

छावनी क्षेत्रों को और अधिक स्मार्ट, ग्रीन और सिटीजन- फ्रेंडली बनाना है : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भविष्य की चुनौतियां हमारे सामने मुंह खोले खड़ी हैं। हमें उन चुनौतियों से भी निपटना है। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह बात मंगलवार को कही। वह रक्षा संपदा दिवस पर आयोजित एक समारोह में बोल रहे थे। यहां उन्होंने इन चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे में एक बुनियादी प्रश्न हमारे सामने खड़ा होता है, कि क्या हम केवल प्रक्रियाओं को चलाने वाले संगठन बने रहेंगे, या एक ऐसे संस्थान बनेंगे जो सीखता भी है, बदलता भी है और रास्ता भी दिखाता है। उन्होंने रक्षा संपदा के इस संगठन के अंदर इनोवेशन और नियमित उन्नति की एक स्थायी संस्कृति विकसित की। रक्षा मंत्री ने बताया कि आने वाले

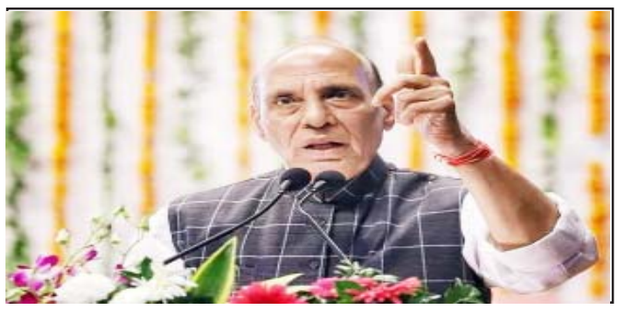

वर्षों में हमें छावनी क्षेत्रों को और भी अधिक स्मार्ट, ग्रीन और सिटीजन–फ्रेंडली बनाना है। हमें ऐसा प्रशासन विकसित करना है, जो और ज्यादा सरल हो, रिस्पॉन्सिव हो और भविष्य के प्रति सजग हो। रक्षा मंत्री ने कहा कि छावनियों को हरा–भरा और स्वच्छ बनाना, जल संचयन पर काम करना, कचरा प्रबंधन में वैज्ञानिक अप्रोच अपनाना यह दिखाता है कि सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी साथ–साथ चल सकते हैं। यह आने वाले समय के लिए एक मॉडल बन सकता है। राजनाथ सिंह ने रक्षा संपदा विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में भी आपके प्रयास प्रेरणादायक हैं। आज हमारी छावनियों में रहने वाले छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। यह जरूरी भी है क्योंकि आज, जब दुनिया टेक्नोलॉजी पर फोकस कर रही है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा प्रबंधन की बात हो रही है, तब यह आवश्यक है कि हमारे बच्चों को परंपरा और टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा जाए। रक्षा संपदा संगठन का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन इसी संतुलन का उदाहरण है। उन्होंने कहा, "मुझे इस बात की खुशी है, कि एक संस्था के रूप में रक्षा संपदा संगठन ने ग्राउंड–ऑरियेंटिड संस्थान की भूमिका निभाई है।

आर्मी हाउस पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू, भारतीय सेना ने स्वदेशी हथियारों और तकनीक का दिखाया सामर्थ्य

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जय दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना ने अपनी आधुनिक और स्वदेशी ताकत का बड़ा प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आर्मी हाउस में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में शिरकत की, जहां सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर भारतीय सेना ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम, ड्रोन विश्लेषण तकनीक, पोर्टेबल कम्युनिकेशन सिस्टम और आधुनिक उपकरणों की झलक पेश की। यह प्रदर्शन सेना के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ते कदम को दिखाता है। दिसंबर 16 को मनाए जाने वाले विजय दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में सेना ने बताया कि कैसे भारतीय सैनिक, इंजीनियर, स्टार्टअप और

शैक्षणिक संस्थान मिलकर देश की सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन भारतीय सेना के आधुनिक, नवाचार आधारित और आत्मनिर्भर स्वरूप को दर्शाता है। कार्यक्रम में 73 देशों के राजदूत और उच्चायुक्त, वीरता पुरस्कार विजेता, खिलाड़ी और देश के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इससे दुनिया के सामने भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता और स्वदेशी तकनीक पर भरोसा भी साफ नजर आया। इस कार्यक्रम में सबसे बड़ा आकर्षण एआई आधारित सैटेलाइट इमेजरी विश्लेषण प्रणाली रही। यह सिस्टम सैटेलाइट से मिलने वाली तस्वीरों का तेजी से और सटीक विश्लेषण करता है। पहले जहां तस्वीरों को हाथ से देखकर समझना पड़ता था, वहीं अब यह तकनीक बदलाव पहचानने, गतिविधियों पर नजर रखने और जरूरी जानकारी तुरंत सामने लाने में मदद करती है। यह सिस्टम सेना की तैयारियों को मजबूत करता है और आपदा प्रबंधन, कृषि आकलन, भूमि प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना में भी नागरिक एजेंसियों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। भारतीय सेना ने एक खास पोर्टेबल एआई सिस्टम भी दिखाया, जिसे 'एआई–इन–ए–बॉक्स' कहा जा रहा है। यह सिस्टम बिना इंटरनेट या नेटवर्क के भी काम करता है। दूरदराज और कठिन इलाकों में यह तकनीक सैनिकों को जानकारी का विश्लेषण करने, योजना बनाने और फैसले लेने में मदद देती है। इसके साथ ही सेना ने 'एकम एआई' प्लेटफॉर्म भी पेश किया।

मानहानि मामले में केजरीवाल और संजय सिंह को झटका

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात की एक सत्र अदालत ने आम आदमी पार्टी नेताओं अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री पर की गई टिप्पणियों को लेकर दायर आपराधिक मानहानि मामले में अलग–अलग सुनवाई की मांग वाली याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वे किसी साझा मकसद से प्रेरित थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एमपी पुरोहित की अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य सिंह की पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया। इन याचिकाओं में ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई

थी जिसमें अलग–अलग सुनवाई की उनकी अपील खारिज कर दी गई थी। मानहानि का यह मामला गुजरात विश्वविद्यालय ने दायर किया था, जिसमें विश्वविद्यालय ने मोदी की डिग्री के संबंध में दोनों आप नेताओं की ओर से विश्वविद्यालय के खिलाफ दिए गए व्यंग्यात्मक और अपमानजनक बयानों का जिक्र किया था। इन दलीलों को खारिज करते हुए, अदालत ने पाया कि दोनों आरोपियों ने 1 और 2 अप्रैल, 2023 को एक ही राजनीतिक दल के सदस्यों के रूप में बयान दिए थे और ऐसा प्रतीत होता है कि वे एक सामान्य उद्देश्य से प्रेरित थे और उनके कृत्यों में निरंतरता थी। दोनों नेताओं ने तर्क दिया था कि उन पर एक साथ मुकदमा नहीं चलाया जा सकता क्योंकि उनके खिलाफ लेन–देन और आरोप अलग–अलग थे और कथित घटनाओं की तारीखें भी अलग–अलग थीं। उन्होंने कहा था कि उनकी याचिकाओं को खारिज करने वाला ट्रायल कोर्ट का आदेश गैर–कानूनी था और उस पर फिर से विचार किया जाना चाहिए।

राम का नाम जुड़ते ही परेशानी हो गई : शिवराज सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 पेश किया, जिसका उद्देश्य महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (एमजी एनआरईजी) अधिनियम, 2005 को निरस्त करना है। विधेयक को सदन में विपक्ष के सदस्यों के विरोध के बावजूद पेश किया गया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच 'विकसित भारत–रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत– जी राम जी) विधेयक, 2025' पेश करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना उनका अपमान है। उन्होंने

यह भी कहा कि विधेयक को वापस लिया जाए या फिर संसदीय समिति के पास भेजा जाए। चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महात्मा गांधी हमारे दिलों में बसते हैं। उनका कहना था कि मोदी सरकार महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर आधारित कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस की सरकार ने भी जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था तो क्या यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का अपमान था? चौहान ने कहा कि सरकार ने मनरेगा पर 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने बताया कि हम इस विधेयक में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दे रहे हैं। यह कोई कोरी गारंटी नहीं है, बल्कि 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि महात्मा गांधी ने भी रामराज्य की कल्पना की थी और उनके आखिरी शब्द भी 'हे राम' थे। चौहान ने कहा कि इस विधेयक से गांवों का संपूर्ण विकास होगा। विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि आखिर राम का नाम जुड़ते ही क्या परेशानी हो गई? कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने विधेयक पेश किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि इससे रोजगार का कानूनी अधिकार कमजोर हो रहा है।

विधेयक गांधीजी के प्रति भाजपा की पुरानी विरोधी सोच को उजागर करता है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर श्विकसित भारत जी राम जीश योजना करने के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। विपक्ष का कहना है कि यह कदम केवल नाम बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण रोजगार योजना की मूल भावना और विकेंद्रीकरण की सोच कमजोर होगी।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने दिल्ली में इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार बार–बार उनके पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जिक्र करते हुए कहती है कि केंद्र से भेजा गया पैसा सही जगह तक नहीं पहुंचता।उन्होंने कहा कि इसी सोच

के कारण पंचायती राज विधेयक लाया गया था ताकि धन सीधे गांवों तक पहुंचे और पंचायतें तय करें कि उस पैसे का इस्तेमाल कहां और कैसे किया जाए। प्रियंका गांधी ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था का मकसद ही यह था कि गांवों को अधिकार मिले और स्थानीय स्तर पर फैसले हों। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर अब सरकार इसके उलट काम कर रही है, तो वह भ्रष्टाचार खत्म करने की बात कैसे कर सकती है। नए विधेयक में सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच रही है। उन्होंने कहा, ष्आप जिम्मेदारी लीजिए, लेकिन आप उससे बच रहे हैं।ष प्रियंका गांधी वाद्रा ने यह भी कहा कि पहले मनरेगा के तहत आने वाले कुल फंड का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार से आता था, लेकिन नए विधेयक में यह घटाया जा रहा है। इससे साफ है कि सरकार न तो जिम्मेदारी लेना चाहती है और न ही जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हर मामले में सत्ता को केंद्रित करना चाहती है और यही उसकी मूल सोच है।वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने भी मनरेगा का नाम बदलने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि उनके विचार में इस तरह का कोई भी नया विधेयक लाने की कोई जरूरत ही नहीं है।

संपादकीय

बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में विफल

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत अवसर एक लाख 65 हजार थे, लेकिन सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। यह कहना शायद जल्दबाजी हो कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना फेल हो गई है। फिर भी यह तो कहा ही जाएगा कि ज्यादातर बेरोजगार नौजवानों को आकर्षित करने में यह विफल रही है। यह बात की पुष्टि खुद संसद में पेश सरकारी आंकड़े करते हैं। कंपनी मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने लोकसभा में बताया है कि पहले दो चरणों में सिर्फ 33,300 नौजवानों ने इंटर्नशिप स्वीकार की। उनमें से 6,618 ने बीच में ही इसे छोड़ दिया। पहले चरण में कंपनियों ने 82 हजार और दूसरे चरण में 83 हजार इंटर्नशिप के ऑफर दिए। यानी अवसर एक लाख 65 हजार थे, जबकि सवा 33 हजार नौजवान ही ज्वाइन करने को तैयार हुए। उनमें से भी लगभग 20 फीसदी ने बीच अवधि में ही इसे छोड़ दिया। छोड़ने वालों में बड़ी संख्या उन इंटर्न्स की रही, जिन्होंने कार्यस्थल दूर होने या परिवहन सुविधाजनक ना होने को अपने फैसले की वजह बताया। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र ने बड़े धूम–धड़ाके से यह योजना घोषित की थी। इसके तहत इंटर्नशिप लेने वाले नौजवानों को एक बार छह हजार रुपए के भुगतान के अलावा 12 महीनों तक पांच हजार रुपए का भत्ता देने का प्रावधान है। सरकार ने कहा था कि इस योजना के तहत पांच वर्ष में एक करोड़ नौजवानों को ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे रोजगार का कौशल हासिल कर सकें। मगर पहले दो वर्ष में योजना पर अमल के जो आंकड़े सरकार ने दिए हैं, जाहिर है, वे निराशाजनक हैं। कारण बुनियादी है। बेरोजगारी की समस्या ऐसी मरहम–पट्टी से दूर नहीं होने वाली है। इसके लिए आर्थिक सोच में आमूल परिवर्तन करना होगा। उत्पादन एवं वितरण से संबंधित वास्तविक अर्थव्यवस्था तथा मानव विकास में लगातार निवेश हो, इसे सुनिश्चित करना होगा। मूलभूत क्षेत्रों में निवेश की कमी भारत में बेरोजगारी का प्रमुख कारण है। पिछले लोकसभा चुनाव में अचानक यह समस्या सतह पर उभरती नजर आने लगी। तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इस योजना के जरिए समाधान का संदेश देने की कोशिश की। लेकिन गंभीर मसलों से सचमुच आंख मिलाने की इच्छाशक्ति ना हो, तो ऐसे संदेश बेअसर ही साबित होते हैं।

आस्ट्रेलिया पर आतंकी हमला

आस्ट्रेलिया में हुए भयावह आतंकी हमले से एक बार फिर दुनिया सन्न रह गई है। सिडनी के बोंडी बीच पर रविवार को यहूदी पर्व हनुक्का के दौरान दो आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बोंडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई श्इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसश यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी।गनीमत यह रही कि आतंकियों का मंसूबा पूरा नहीं हुआ। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप–बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ–साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है।यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविक तौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया श्आतंकवादी हमलाश करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र–तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है।इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को इस हमले के बाद फिलीस्तीन में किए जा रहे अपने आक्रमण को न्यायोचित ठहराने का मौका मिल गया है। हालांकि नेतन्याहू इस तथ्य को अनदेखा कर रहे हैं कि गजा में मासूमों की जान लेने की कीमत दुनिया भर में उन यहूदियों को चुकानी पड़ रही है, जो शांति से अपना जीवन गुजार रहे हैं। दुनिया के कई देशों में यहूदियों और मुस्लिमों के बीच संदेह बढ़ने का माहौल बन रहा है। लेकिन ये संदेह इस तरह आतंकी हमले की शक्ल में मासूमों की जान लेगा, यह अनुमान नहीं था। नेतन्याहू ने इस हमले पर अब ऑस्ट्रेलिया की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की नीतियां श्यहूदी–विरोधी आग में घी डालनेश का काम कर रही हैं। नेतन्याहू ने कहा, श्यहूदी–विरोध एक कैंसर है, जो तब फैलता है जब नेता चुप रहते हैं। कुछ महीने पहले मैंने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को एक पत्र लिखा था कि उनकी नीति, यहूदी–विरोधी आग में घी डालती है, यह आपकी सड़कों पर यहूदियों के प्रति नफरत को बढ़ावा देती है। यहूदी–विरोधियों के खिलाफ मौजूदा कमजोर रुख के बजाय उनसे ताकत से निपटना होगा। आज ऑस्ट्रेलिया में ऐसा नहीं हुआ।इसी तरह इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग ने इस हमले को श्क्रूरश बताते हुए कहा, श्हमने बार–बार ऑस्ट्रेलियाई सरकार से कार्रवाई करने और ऑस्ट्रेलियाई समाज को जकड़ रही यहूदी–विरोधी भावना की लहर से लड़ने की अपील की है।श बता दें कि बीते एक साल में ऑस्ट्रेलिया में 1,600 से ज़्यादा यहूदी–विरोधी घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें दर्जनों हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं, और सैकड़ों अन्य अपमानजनक या धमकी भरे मामले शामिल हैं। अगर ऑस्ट्रेलिया सरकार ने विरोध की इस बढ़ती प्रवृत्ति पर गौर किया होता तो शायद कई मासूम जानें बच सकती थीं। ऑस्ट्रेलिया पर आतंकी हमले के बाद फिर से इस्लामिक आतंकवाद की चर्चा शुरु हो गई है। जो सिरे से गलत है। आतंकवाद को जब तक धर्म के चश्मे से देखा जाता रहेगा, उसकी जड़ तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इस हमले पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि वह श्हिंसा और आतंकवाद के सभी रूपोंश को खारिज करता है। वहीं मुस्लिम वर्ल्ड लीग ने भी सिडनी में हुए इस हमले की निंदा की है। इस्लामी संगठन ने कहा कि मुस्लिम लोग श्आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज करते हैं।श सिडनी हमले के आतंकवादियों की पहचान मुसलमान के तौर पर करने वाले यह भी देखें कि इसी हमले में अपनी जान की बाजी लगाकर एक और मुसलमान ने कई लोगों की जान भी बचाई है। जिस समय आतंकवादी गोलियां चलाए जा रहे थे, उस समय 43 साल के अहमद अल अहमद ने एक आतंकी को पीछे से पकड़कर उससे बंदूक छीन ली। इस घटना का वीडियो सामने आया है, ।

नितिन नवीन की ताजपोशी के मायने

उमेश

नरेंद्र मोदी के दौर की बीजेपी का जब इतिहास लिखा जाएगा, तब उसकी तमाम खूबियों और खामियों के साथ एक तथ्य को शिद्दत से याद किया जाएगा। वह है पार्टी का हर बार चौंकाने वाला फैसला लेना। राजनीति के लिहाज से 45 साल की उम्र युवा मानी जाती है। राजनीति में युवाओं को शीर्ष पर बैठाने की परंपरा कम ही रही है। लेकिन बीजेपी ने 45 साल के नितिन नवीन को अपना बॉस घोषित कर दिया है। नितिन को फिलहाल पार्टी ने अपना कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है, ऐसा माना जा रहा है कि अगले साल जनवरी के आखिर तक उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष के तौर पर चुन लिया जाएगा। नितिन की ताजपोशी पर चर्चा से पहले बीजेपी से ही जुड़े अतीत के एक किस्से को याद कर लिया जाना चाहिए। मई 1996 में तेरह दिनी वाजपेयी सरकार के विश्वासमत पर चर्चा के दौरान सुषमा स्वराज ने कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व से पूछा था, कहां है आपकी सेकंड लाइन ऑफ लीडरशिप। हमारी ओर देखिए, वेंकैया हैं, अनंत हैं, प्रमोद हैं। अटल–आडवाणी और जोशी के दौर की बीजेपी में बिना शक ये तीनों ही नाम शीर्ष नेतृत्व में शामिल थे। पार्टी की दूसरी पांत के नेताओं में सुषमा के बताए तीन नामों के साथ ही उनका भी नाम भी शामिल था। बाद के दिनों में अरुण जेटली को भी इसी पंक्ति में शामिल कर लिया गया था। ऐसे में यह सवाल पूछा जा सकता है कि क्या नितिन नवीन का नाम दूसरी पंक्ति के नेताओं में शुमार होता है। निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। भले ही वे पांच बार के विधायक हों, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर उनका नाम इतना चर्चित नहीं रहा है। बीजेपी के मुख्य संगठन में छत्तीसगढ़ के प्रभार की जिम्मेदारी छोड़ दें तो इसके पहले कोई बड़ी भूमिका भी नहीं सौंपी गई थी। भारतीय जनता युवा मोर्चा की बिहार इकाई के वे अध्यक्ष और इसी मोर्चे के राष्ट्रीय महामंत्री जरूर रहे हैं। युवा मोर्चा संभालना और मुख्यधारा के संगठन को संभालना अलग –अलग है। ऐसे में नवीन के सामने बड़े और दिग्गज नेताओं से भरी बीजेपी को संभालना बड़ी चुनौती होगी। वैसे बीजेपी कैडर आधारित पार्टी है, लिहाजा यह भी माना जा सकता है कि उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं होनी है। बीजेपी के जानकारों का तर्क है कि नितिन नवीन को राष्ट्रीय भूमिका देकर पार्टी ने एक तरह से पीढ़ीगत बदलाव की शुरूआत की है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों मेंम बीजेपी में और भी युवा चेहरों को मौका मिलेगा। वैसे देखा जाए तो आजकल बीजेपी में युवाओं और महिलाओं पर जोर है। हालिया बिहार विधानसभा के चुनाव प्रचार में नरेंद्र मोदी एमवाई का नया विश्लेषण युवा और महिला के रूप में कर ही चुके हैं। वैसे भी वे गरीब, किसान, महिला और जवान की जाति का अक्सर जिक्र करते हैं। कह सकते हैं कि नितिन नवीन भाजपा की इसी नई वर्ग व्यवस्था के सशक्त प्रतीक हैं। हाल के दिनों में बीजेपी में पिछड़ा नेतृत्व पर कुछ ज्यादा ही फोकस किया गया। इससे बीजेपी का पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक दबे स्वर से नाराजगी भी जाहिर करता रहा है। विराट उभार से पहले बीजेपी को बाभन–बनिया की पार्टी भी कहा जाता था। इसमें कायस्थ और किंचित क्षत्रिय वर्ग भी जुड़ा हुआ था। नितिन नवीन इन्हीं में से एक कायस्थ वर्ग से आते हैं। वैसे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान पाटलिपुत्र से कायस्थ उम्मीदवार ना देने की वजह से बीजेपी का कायस्थ वोटर किंचित नाराज भी दिखा था। इस संदर्भ को देखते हुए एक वर्ग कह रहा है कि नितिन को केंद्रीय नेतृत्व सौंपकर बीजेपी ने अपने पारंपरिक सवर्ण मतदाता वर्ग को साधने की कोशिश की है। वैसे कुछ लोगों का यह भी मानना है कि नितिन नवीन की ताजपोशी आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव को भी ध्यान में रखकर किया गया है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक कायस्थ समाज का दबदबा रहा है। राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे ज्योति बसु और पहले मुख्यमंत्री विधानचंद्र रॉय इसी समुदाय से थे। ज्योति बसु जहां 23 साल तक मुख्यमंत्री रहे, वहीं विधानचंद्र रॉय के हाथ 14 साल तक राज्य की कमान रही। नितिन नवीन के जरिए बंगाल के इस वर्ग के वोटरों को भी पार्टी ने बड़ा संदेश दिया है। नितिन नवीन को नेतृत्व सौंपे जाने को लेकर कुछ महीने पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से भाजपा को मिले संकेतों का भी जिक्र किया जा रहा है। संघ ने बीजेपी को संकेत दिया था कि पिछड़े–दलित आदि को शासन और प्रशासन से मिले फायदों का जिक्र भले ही करे, लेकिन संगठन के मामलों में जातीय आधार पर फैसले ना ले। संघ का पार्टी को यह भी संकेत था कि वह संगठन की भूमिकाएं तय करते वक्त कार्यकर्ताभाव और उसकी संगठन क्षमता और निष्ठा को देखे। नितिन नवीन की नियुक्ति को इस निकष पर भी कसा जा सकता है। नवीन पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रहे हैं। संगठन ने जो भी भूमिका सौंपी, उसे संगठन के लिहाज से पूरा करने की कोशिश की है। छत्तीसगढ़ राज्य में बीजेपी की पिछली जीत ने उनके संगठन कौशल की ओर झांकने का मौका दिया। कह सकते हैं कि उनकी नियुक्ति के पीछे ये भी कारण रहे होंगे। हालांकि आलोचक कह सकते हैं कि नितिन की तुलना में संगठन में खुद को खपाने वाले बहुत लोग अब भी सक्रिय हैं। फिर उन्हें क्यों नहीं मौका मिलना चाहिए। यह तर्क वाजिब हो सकता है। लेकिन यह भी सच है कि राजनीतिक फैसले लेते वक्त कई

बिंदुओं पर ध्यान दिया जाता है। बीजेपी अक्सर दावा करती है कि वह पढ़े–लिखे लोगों को तवज्जो देती है। बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कुछ विपक्षी दलों के प्रवक्ताओं की उनकी आक्रामक और बदतमीज व्यवहार के चलते आलोचना की थी। तब उसने अपने पढ़े–लिखे प्रवक्ताओं पर जोर दिया था। इस आधार पर नितिन नवीन को लेकर बीजेपी असहज हो सकती है। विपक्षी कह सकते हैं कि पार्टी को अपने अध्यक्ष के लिए पढ़ा–लिखा कार्यकर्ता नहीं मिला। क्योंकि नितिन महज बारहवीं पास ही हैं। बीजेपी अक्सर वंशवाद का विरोध करती है। तकरीबन हर मंच पर वह इसके खिलाफ आवाज उठाती है। जब पार्टी के अंदर के वंशवाद पर विपक्षी खेमे से सवाल उठता रहा, तब पार्टी का तर्क होता था कि शीर्ष पर उसके यहां वंशवाद नहीं रहा। नितिन के संदर्भ में वह क्या जवाब देगी, यह देखना महत्वपूर्ण रहेगा। क्योंकि नितिन के पिता नवीन किशोर सिन्हा बिहार बीजेपी के कद्दावर नेता रहे हैं। बिहार में बीजेपी को खड़ा करने वाले नेताओं में नवीन किशोर का योगदान माना जाता रहा है। आखिर में एक और तथ्य की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए। 1959 में जब दिग्गज नेताओं के रहते हुए भी कांग्रेस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी को अध्यक्ष बनाया, तब इंदिरा की उम्र महज 42 साल थी। ठीक 66 साल बाद आज की सत्ताधारी बीजेपी ने पैंतालिस साल के नितिन नवीन पर भरोसा जताया है। अध्यक्ष बनने के सिर्फ छह साल बाद ही वे देश की प्रधानमंत्री बन गई थीं, नितिन आगे और कितनी ऊंचाई पर जाएंगे, यह देखने के लिए इंतजार करना होगा।

एशियाई देशों के बीच सद्भाव सुनिश्चित करने में मददगार हो सकते हैं रूसी राष्ट्रपति

डॉ. अरुण

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम)की संस्थापक आवाज के रूप में, दुनिया भारत से उम्मीद करती है कि वह परमाणु निरस्त्रीकरण, छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाने और स्थायी शांति को बढ़ावा देना जारी रखेगा, खासकर हमारे अपने क्षेत्रीय दायरे में। इस भूमिका को निभाने के लिए, भारत को एक सूक्ष्म और कुशल कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा और उनका गर्मजोशी से स्वागत एक बार फिर इस बात को रेखांकित करता है कि जवाहर लाल नेहरू की भरोसेमंद भारत–रूस दोस्ती की विरासत आज भी कायम है। हालांकि आज का रूसी संघ पूर्व सोवियत संघ नहीं है, लेकिन यह भी सच है कि रूस पूर्व सोवियत संघ का सबसे महत्वपूर्ण घटक था, और उस विरासत के कई तत्व आज भी मौजूद हैं। जैसा कि टैलीन में इंटरनेशनल सेंटर फॉर डिफेंस एंड सिक्योरिटी के रिसर्च फेलो इवान यू. क्लिश ने 6 दिसंबर 2025 को द टाइम्स ऑफ इंडिया में छपे अपने एक लेख में लिखा था, श्सोवियत युग की राजनीतिक और रणनीतिक विरासतें क्रेमलिन की सोच को आकार देना जारी रखे हुए हैं। दूसरे विश्व युद्ध के बाद उभरी द्विध्रुवीय व्यवस्था से लेकर 1990 के दशक की एकध्रुवीय दुनिया तक, और अब तेजी से बहुध्रुवीय होते माहौल तक, अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में नाटकीय बदलाव आए हैं। आज, दुनिया के तीन प्रमुख शक्ति केंद्र–चीन, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका –मजबूत अर्थव्यवस्थाओं, उन्नत सेनाओं और वैश्विक प्रभाव के मालिक हैं। भारत, अपनी बड़ी आबादी और बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ, एक उभरती हुई शक्ति बना हुआ है, लेकिन अभी भी निम्न मध्यम–आय वर्ग से आगे बढ़ने के संक्रमण काल से गुजर रहा है। हालांकि एक बड़ा बाजार होने के बावजूद, वैश्विक भू–राजनीति को निर्णायक रूप से आकार देने से पहले हमें अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है।गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नैम)की संस्थापक आवाज के रूप में, दुनिया भारत से उम्मीद करती है कि वह परमाणु निरस्त्रीकरण, छोटे हथियारों के प्रसार पर रोक लगाने और स्थायी शांति को बढ़ावा देना जारी रखेगा, खासकर हमारे अपने क्षेत्रीय दायरे में। इस भूमिका को निभाने के लिए, भारत को एक सूक्ष्म और कुशल कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। उत्साहजनक रूप से, वर्तमान भारतीय नेतृत्व ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि भू–राजनीतिक संबंध वैचारिक समानता के बजाय आपसी हितों से निर्देशित होते हैं।रूस ने दिसंबर 1998 में तत्कालीन प्रधान मंत्री येवगेनी प्रिमाकोव के माध्यम से रूस–भारत–चीन (आरआईसी) रणनीतिक त्रिकोण का प्रस्ताव रखा था, जिसकी कल्पना अमेरिकी एकध्रुवीय प्रभुत्व के प्रतिकार के रूप में की गई थी। उस समय भारत ने सीमित उत्साह दिखाया था। हालांकि, बदलती भू–राजनीतिक वास्तविकताओं के कारण ब्रिक्स का उदय हुआ। 2001 में गोल्डमैन सैक्स के एक अर्थशास्त्री ने ब्राजील, रूस, भारत और चीन के लिए ब्रिक्स शब्द को गढ़ा था ताकि चारों देशों की गतिशीलता में वृद्धि को दिखाया जा सके, जो बाद में ब्रिक्स समूह के रूप में एक वैश्विक राजनीतिक पहल के रूप में विकसित हुआ, जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाना और संतुलित करना है।आज,ब्रिक्स में ग्यारह देश शामिल हैं– ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, इथियोपिया, इंडोनेशिया और ईरान। यह ग्लोबल साउथ के लिए एक प्रमुख राजनीतिक और राजनयिक मंच बन गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को सक्षम बनाता है। एक उदार राजनेता के रूप में, जवाहरलाल नेहरू ने शीत युद्ध के दौर के सैन्य गुटों–नाटो या वारसॉ पैक्ट के साथ गठबंधन करने से इनकार कर दिया था। उनका उद्देश्य नए स्वतंत्र विकासशील देशों को एकजुट करना था ताकि वे साझेदारी और आपसी सम्मान के माध्यम से अपनी विकास रणनीतियों को आगे बढ़ा सकें। मार्शल टीटो, गमाल अब्देल नासिर और क्वामे न्क्रूमा के साथ मिलकर, उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। नैम जल्द ही एक शक्तिशाली समूह बन गया जिसमें न केवल विकासशील देश बल्कि क्यूबा और वियतनाम जैसे कम्युनिस्ट राज्य, और फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) जैसे राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन भी शामिल थे।जबकि पश्चिमी शक्तियां नैम के उपनिवेशवाद विरोधी और साम्राज्यवाद विरोधी रुख से असहज थीं, सोवियत संघ ने आम तौर पर आंदोलन में भारत के नेतृत्व का स्वागत किया। इतिहासकार गोपाल कृष्ण गांधी ने हिंदुस्तान टाइम्स में एक लेख में बताया है कि उस समय के एक प्रतिष्ठित राजनेता सी. राजगोपालाचारी के 27 मार्च 1958 के पत्र के बाद, सोवियत संघ ने पांच दिनों के भीतर परमाणु परीक्षणों पर एकतरफा रोक लगा दी। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति पुतिन ने दोहराया कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका पारस्परिक आश्वासन देता है तो रूस परमाणु परीक्षण करने से परहेज करेगा – यह घोषणा भारतीय

धरती पर की गई है। यह भी प्रासंगिक है कि पूर्व सोवियत संघ ने परमाणु हथियारों के उन्मूलन के लिए राजीव गांधी कार्य योजना का समर्थन किया था। पुतिन की यात्रा के बाद एक ठोस शांति पहल होनी चाहिए। भारत, चीन और रूस मिलकर एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पाकिस्तान, लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार होने के बावजूद, एक मजबूत सैन्य छाया के तहत काम करना जारी रखे हुए है। फिर भी, उसे एक रचनात्मक संवाद में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है और किया जाना चाहिए। भारत को राजनयिक जुड़ाव से पीछे नहीं हटना चाहिए, और सार्क को पुनर्जीवित करने की इच्छा दिखानी चाहिए। केवल संवाद के माध्यम से ही दक्षिण एशिया स्थायी शांति की ओर बढ़ सकता है। कोई भी भारतीय सरकार– चाहे उसका राजनीतिक झुकाव जो भी हो– को यह पहचानना चाहिए कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए एक व्यापक सोच और दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। राष्ट्रपति पुतिन के चीन के साथ करीबी संबंध और पाकिस्तान के साथ उनका व्यावहारिक, गैर–विरोधी जुड़ाव दक्षिण एशियाई पड़ोस में ज़्यादा शांतिपूर्ण माहौल के लिए अवसर बनाने में मदद कर सकता है।

आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा

रजनीश कपूर

इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें। हवाई यात्रा ने आधुनिक युग में दुनिया को गांव बनाया है। यह न केवल यात्रियों को दुनिया के कोने–कोने से जोड़ती है, बल्कि व्यापार, पर्यटन और वैश्विक अर्थव्यवस्था का रफ्तार बनाती है। लेकिन क्या नागरिक उड्डयन उद्योग उतना मजबूत है जितना दिखता है? हाल के वर्षों में, विभिन्न संकटों ने इसकी कमजोरियों को उजागर किया है। 2025 में एयरबस के हालिया संकट ने इस बहस को फिर से जीवित कर दिया है। एयरबस, जो बोइंग के साथ मिलकर विश्व के अधिकांश यात्री विमानों का निर्माण करता है, ने हाल में अपने ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट में एक गंभीर सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी की वजह से वैश्विक स्तर पर उथल–पुथल मचा दी है। इससे कई सवाल उठने लगे कि क्या हवाई यात्राएँ सुरक्षित हैं? नवंबर 2025 में, एयरबस ने घोषणा की कि ए320 फैमिली के एक विमान में हुई घटना के विश्लेषण से पता चला कि तीव्र सौर विकिरण (रेडिएशन) महत्वपूर्ण डेटा को बिगाड़ सकता है। यह गड़बड़ी फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम को प्रभावित करती है, जो विमान की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिणामस्वरूप, कंपनी ने लगभग 6,000 ए320 सीरीज के विमानों के लिए तत्काल सॉफ्टवेयर अपडेट और पूर्व–सतर्कता कार्रवाई का आदेश दिया। इसने वैश्विक विमान यात्राओं में भारी व्यवधान पैदा किया। हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंस गए, उड़ानें रद्द हुईं और एयरलाइनों को करोड़ों का नुकसान हुआ। दिसंबर की शुरुआत तक, एयरबस ने दावा किया कि अधिकांश विमानों को ठीक कर लिया गया है, लेकिन अभी भी कई विमानों पर काम चल रहा है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि सॉफ्टवेयर समस्या के ठीक बाद, कंपनी ने ए320 के कुछ विमानों के धातु पैनलों में औद्योगिक गुणवत्ता की समस्या पाई, जो फ्यूजलेज को प्रभावित करती है। यह कुछ ही विमानों तक सीमित है, लेकिन यह दर्शाता है कि एक समस्या दूसरी को जन्म दे सकती है। यह संकट हवाई उद्योग की कमजोरियों को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। सबसे बड़ी कमजोरी है बाजार का एकाधिकार। एयरबस और बोइंग मिलकर 90त्न से अधिक यात्री विमानों का उत्पादन करते हैं। यदि एक कंपनी में कोई समस्या आती है, तो पूरा उद्योग प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, 2019 में बोइंग 737 मैक्स की दुर्घटनाओं ने पूरे उद्योग को हिला दिया था और अब एयरबस का संकट उसी कड़ी का हिस्सा लगता है। दूसरी कमजोरी है तकनीकी निर्भरता। आधुनिक विमान सॉफ्टवेयर, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पर आधारित हैं। सौर विकिरण जैसी बाहरी घटनाएं, जो जलवायु परिवर्तन के साथ बढ़ रही हैं, इन सिस्टमों को प्रभावित कर सकती हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी भी एक बड़ा मुद्दा है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में हवाई यात्रा में 5त्न की वृद्धि की उम्मीद थी, लेकिन एयरबस संकट ने इसे प्रभावित किया। एयरलाइनों की लाभप्रदता कम हो गई और निवेशकों का विश्वास डगमगाया। पर्यावरणीय दबाव भी बढ़ रहा हैय कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों में, नई तकनीकों को अपनाने में जोखिम है। कुल मिलाकर, यह उद्योग एक जटिल जाल में फंसा है जहां एक छोटी गड़बड़ी वैश्विक संकट पैदा कर सकती है। वहीं नियामक संस्थाएं जैसे यूरोपीय यूनियन एविएशन सेफ्टी एजेंसी (ईएएसए), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) अमेरिका में और भारत में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) उद्योग के मानकों को बनाए रखने में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एयरबस संकट में, ईएएसए ने तत्काल कार्रवाई की मांग की और सॉफ्टवेयर अपडेट को अनिवार्य किया। नियामकों का काम है विमानों के डिजाइन, निर्माण और संचालन की जांच करना। वे सर्टिफिकेशन प्रक्रिया के माध्यम से सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी नया विमान या अपडेट सुरक्षा मानकों को पूरा करे। लेकिन क्या वे पर्याप्त हैं? बोइंग 737 मैक्स मामले में एफएए की आलोचना हुई कि उन्होंने निर्माता पर ज्यादा भरोसा किया। एयरबस मामले में भी, यदि सौर विकिरण की समस्या पहले पता चल जाती, तो संकट टाला जा सकता था। नियामकों को अधिक सक्रिय होना चाहिए, नियमित ऑडिट, स्वतंत्र जांच और उभरते जोखिमों जैसे साइबर हमलों या ट्रीय होते हैं। भारत जैसे विकासशील देशों में, डीजीसीए को मजबूत बनाना चाहिए ताकि स्थानीय एयरलाइनों पर सख्ती से मानक लागू हों। नियामकों की भूमिका न केवल संकट प्रबंधन में है, बल्कि सकारात्मक उपायों में भी, जो उद्योग की कमजोरियों को कम कर सकती है और हवाई यात्राओं को सुरक्षित बना सकती है। एयरलाइनों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वे अंतिम उपयोगकर्ता हैं और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उठाती हैं। एयरबस संकट में, अमेरिकन एयरलाइंस जैसी कंपनियों ने तत्काल अपने बेड़े को अपडेट किया। एयरलाइनों को नियमित रखरखाव, पायलट प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर जोर देना चाहिए। वे निर्माताओं से पार्ट्स और अपडेट प्राप्त करती हैं, लेकिन अपनी जांच भी करनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी भारतीय एयरलाइनों को, जो कि ए320 पर निर्भर हैं, इस संकट से सबक लेना चाहिए। लागत कम करने के चक्कर में सुरक्षा से कोई भी समझौता नहीं करना चाहिए। एयरलाइनों को विविधीकरण अपनाना चाहिए, केवल एक निर्माता पर निर्भर न रहें। साथ ही, यात्री संचार में पारदर्शिता रखें, ताकि विश्वास बना रहे। कुल मिलाकर, एयरलाइनों की जिम्मेदारी है कि वे नियामकों के साथ मिलकर मानकों को लागू करें और संकटों में त्वरित प्रतिक्रिया दें।

एयरबस संकट ने साबित किया कि हवाई उद्योग कितना संवेदनशील है। तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से घिरा हुआ है। लेकिन मजबूत नियामक ढांचा और जिम्मेदार एयरलाइंस इसकी रक्षा कर सकती हैं। सरकारों को अनुसंधान में निवेश करना होगा, उद्योग को अधिक लचीला बनाना होगा, ताकि भविष्य के संकटों से निपटा जा सके। आखिरकार सुरक्षा सर्वोपरि है, क्योंकि आकाश में उड़ान भरना जोखिम भरा है, लेकिन इसे सुरक्षित बनाना सभी की जिम्मेदारी है।

डॉ रामविलास दास वेदांती का सीएम योगी ने किया अंतिम दर्शन, बोले-उनका निधन स्तब्ध करने वाला

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती को श्रद्धांजलि देने उनके आश्रम हिंदू धाम पहुंचे। उन्होंने कहा कि वेदांती जी का पूरा जीवन राम के काम में लगा रहा। राम कथा का वाचन करते–करते उन्होंने नश्वर शरीर से मुक्ति ली। राम जन्म भूमि के हर आंदोलन में उनकी सहभागिता रही। वे प्रारंभ से ही मंदिर आंदोलन का हिस्सा रहे। आंदोलन को मूर्त रूप देने में उनका अहम योगदान रहा। 25 नवंबर को भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद आयोजित हुए ध्वजारोहण समारोह में वे मौजूद थे, मुझे भी उनके सानिध्य प्राप्त हुआ था। वह एक ऐसे संत थे जिन्होंने सदैव मंदिर निर्माण की आवाज

बुलंद की। 1983 से आज तक हर आंदोलन में उनकी मुख्य भूमिका रही। गोरक्ष पीठ से उनका गहरा नाता रहा उनका निधन स्तब्ध करने वाला है। योगी आदित्यनाथ ने डॉ. राम विलास दास वेदांती को अंतिम प्रणाम किया। उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि के साथ श्रद्धा के सुमन अर्पित किए। इसके पहले एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री राम मंदिर पहुंचे। रामलला के दर्शन किए। वहां से हनुमानगढ़ी जाकर हनुमंत लला की आराधना की। हिंदू धाम आश्रम में बड़ी संख्या में संत, महंत और अनुयायी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और भाजपा नेताओं की भी उपस्थित रही। अंतिम दर्शन के लिए रामनगरी के हिंदू धाम आश्रम में बड़ी संख्या में संत, महंत और उनके अनुयायियों का जमावड़ा लगा रहा। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, विनय कटियार और लल्लू सिंह, बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। प्रदेश के कृषि मंत्री मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी पूर्व सांसद व राम मंदिर आंदोलन के अहम किरदार रहे डॉ. रामविलास दास वेदांती को नमन करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि डॉ. वेदांती बाल्यावस्था से ही अयोध्या में रहे। राम मंदिर आंदोलन को आगे बढ़ाने में डॉ. वेदांती ने जो भूमिका निभाई थी, वह कभी भुलाई नहीं जा सकेगी।

69000 शिक्षक भर्ती मामले में सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। 69000 शिक्षक भर्ती मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप व प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह ने उम्मीद जताई कि सरकार सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय देने के लिए प्रयास करेगी। आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों ने कहा कि वे न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। ऐसी में प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में उनके पक्ष में याची लाभ का प्रस्ताव पेश कर इस मामले का निस्तारण कराए। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने प्रदेश पुलिस में कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–ए के पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की टंकण परीक्षा के लिए प्रवेशपत्र जारी कर दिए हैं। चयनित अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट से अपना प्रवेशपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। लखनऊ और नोएडा में टंकण परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। बोर्ड द्वारा बीती एक नवंबर को कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–ए के 930 पदों पर सीधी भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें 39853 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था। इसमें 22392 अभ्यर्थी अधिकतम अंक लेकर उत्तीर्ण हुए थे। इसमें से 11891 को टंकण परीक्षा देने के लिए बुलाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

अधिकार हासिल करने के लिए शिक्षित होना जरूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। बज्म ए ख्वातीन के कार्यक्रम में सोमवार को महिलाओं के शिक्षित होने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा हासिल किए बगैर अधिकारों को हासिल करना मुश्किल है। अमीनाबाद स्थित जनाना पार्क में महिला और संघर्ष विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बज्म ए ख्वातीन की अध्यक्ष बेगम शहनाज सिदरत ने कहा कि लड़कियों की शिक्षा का बहुत महत्व है। शिक्षा के बगैर अपने महिलाएं अपने अधिकारों को जान नहीं पाती हैं। सुप्रीमकोर्ट की अधिवक्ता विशनुमति सेन, सफिया बेगम, नजमा बेगम, गुलशन बानों, आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन आईआईटी कानपुर की वरिष्ठ परियोजना विश्लेषक नशत हयातुल्लाह ने किया।

विपरीत परिस्थितियों में सेवा की सीख दी लोधी समाज ने : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। लोधी समाज ने विपरीत परिस्थितियों में भी सेवा का भाव नहीं छोड़ा। समाज के हर तबके की मदद की। देश व प्रदेश की राजनीति में लोधी समाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह बातें डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहीं। सोमवार को गोमतीनगर स्थित सीएमएस के सभागार में अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के प्रथम स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। डिप्टी सीएम ने कहा कि लोधी समाज ने देश.प्रदेश को आकाश की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया है। मैं कंधे.से.कंधा मिलाकर

आपके साथ हूं। मिलकर हक के लिए लड़ाई लड़ेंगे। लोधी राजपूत कल्याण महासभा शिक्षा, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण काम कर रही है। इस दौरान पूर्व सांसद व राष्ट्रीय महामंत्री गंगाचरण राजपूत, पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, पूर्व सांसद चंद्रभान सिंह लोधी, महासंघ के राष्ट्रीय मंत्री घनश्याम सिंह लोधी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री व पूर्व मंत्री भैया साहब लोधी, छत्तीसगढ़ भिलाई की पूर्व मेयर नीता लोधी, महासभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा सौरभ सिंह वर्मा, बुलंदशहर स्याना विधायक देवेंद्र सिंह लोधी, प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह मौजूद रहे।

मोमबत्तियों की रोशनी से नहाया चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। असेंबली ऑफ बिलीवर्स चर्च अलीगंज में सोमवार शाम क्रिसमस माह के कार्यक्रमों की शृंखला में कैंडल लाइट सर्विस मनाई गई। पूरा चर्चा रोशनी में नहाया नजर आया। गायक मंडली ने मोमबत्तियां लेकर गीत गाते हुए चर्च में प्रवेश किया। मीनाक्षी के मार्गदर्शन में चर्च के बच्चों ने सुंदर नेटिविटी (क्रिसमस ड्रामा) का मंचन किया।

ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं के निस्तारण हेतु मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष फुरकान राईन तथा तहसील अध्यक्ष दिलीप रावत ने बुधवार को दारुल सफा, लखनऊ में मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार रावत को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीण पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए सात सूत्रीय मांगें रखी गई हैं। जिसमें कहा गया कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश प्रदेश का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है, जिसका पंजीकरण संख्या 1153ध्86 है। संगठन की शाखाएं प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों तथा 551 तहसीलों में सक्रिय हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाले इन पत्रकारों को सरकार या संस्थानों से कोई सुविधा नहीं मिल रही है, जिससे उनका जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं। तहसील स्तर पर सभी दैनिक समाचार पत्रों के संवाददाताओं

को मान्यता प्रदान करने हेतु निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 19 जून 2008 के पत्र को संशोधित कर आदेश जारी किया जाए। पत्रकार हितों की रक्षा के लिए जिला, मंडल तथा तहसील स्तर पर स्थायी समितियों का गठन किया जाए तथा इनमें ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया जाए। ग्रामीण पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड तथा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की जाए। प्रदेश स्तर की पत्रकार मान्यता समिति एवं विज्ञापन मान्यता समिति में एसोसिएशन के दो प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया जाए। लखनऊ में दारुलशफा स्थित कार्यालय के लिए निःशुल्क भवन उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं के अध्ययन एवं समाधान हेतु ग्रामीण पत्रकार आयोग का गठन किया जाए। पत्रकारिता दायित्व निर्वहन के दौरान विवाद होने पर प्राथमिकी दर्ज करने से पूर्व सक्षम राजपत्रित अधिकारी से जांच कराने का प्रावधान लागू किया जाए।

मिशन शक्तिफेज 5.0 अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली पुलिस ने मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत बुधवार को कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज की छात्राओं के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को महिला सशक्तीकरण तथा सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा योजनाओं से संबंधित जागरूकता पत्रक भी वितरित किए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उन्हें इन महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना एवं महिला सुरक्षा,महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनी प्रावधानों से जोड़ना महिला सम्मान,और नारी स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। मिशन शक्ति प्रभारी आकांक्षा सिंह ने छात्राओं को बताया कि सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी छात्राएं अपनी बुद्धि का अधिक से अधिक प्रयोग करें सामाजिक और नैतिक मूल्यों को समझें, ऐसा कोई काम न करें कि जिससे आपकी और आपके माता पिता की समाज के सामने नजरें झुक जाएं। कभी किसी अंजान व्यक्ति के बहकावे में न आएं। मन लगाकर पढ़ाई करें। अच्छाईयों को ग्रहण कर बुराइयों को त्याग कर अपने उज्ज्वल भविष्य के बारे में स्वयं निर्णय लें। महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह ने छात्रों से कहा कि पढ़ाई के साथ साथ छात्राओं और महिलाओं का सम्मान करना सीख लो। यदि किसी छात्र ने किसी छात्रा एवं महिला के साथ छेड़छाड़ की तो उसकी जगह कालेज नहीं जेल होगी। इसी के साथ उन्होंने बच्चों से पूंछा की पढ़ लिखकर क्या बनना चाहते हो तो एक छात्र ने बताया कि मुझे ट्रेडर्स बनना है। पुलिस टीम ने छात्राओं को आत्मरक्षा के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया।उन्हें यह भी समझाया गया कि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कैसे करें। मिशन टीम प्रभारी ने अपना मोबाइल नंबर सभी छात्राओं को देकर कहा कि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत मुझे फोन करें। पाली पुलिस टीम हर सम्भव सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम के उपरांत कस्बा इंचार्ज आकांक्षा सिंह ने कॉलेज गेट पर लगी पिंक पेटिका को चेक किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति प्रभारीध्कस्बा इंचार्ज महिला उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह,महिला कांस्टेबल कीर्ति चौहान, महिला कांस्टेबल संगीता चौहान, कांस्टेबल सुभम,कांस्टेबल टीकम सहित शिक्षक विनोद प्रताप वर्मा,शिक्षक विजय कुमार यादव, शिक्षक अरूण कुमार वर्मा,शिक्षक संजय रस्तोगी आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐतिहासिक निस्तारण

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव मनु कालिया ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 13 दिसंबर 2025 को प्रदेशभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। यह आयोजन उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एवं नालसा के कार्यपालक अध्यक्ष विकम नाथ के मार्गदर्शन में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक अरुण भंसाली के संरक्षण तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के निर्देशन में संपन्न हुआ।सदस्य सचिव मनु कालिया के अनुसार प्रदेश के समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1,30,40,769 वादों का अंतिम रूप से निस्तारण किया गया। इनमें 1,16,24,886 प्री–लिटिगेशन वाद शामिल रहे, जबकि न्यायालयों में लंबित 14,15,883 वादों का भी आपसी सहमति से समाधान किया गया। यह आंकड़ा न केवल अदालतों की प्रभावशीलता को दर्शाता है, बल्कि न्याय तक सरल, सुलभ और त्वरित पहुंच की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी माना जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से बड़ी संख्या में मामलों के निस्तारण से आम नागरिकों को समय, धन और मानसिक तनाव से राहत मिली है। साथ ही इससे न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हुआ है। सदस्य सचिव ने बताया कि लोक अदालतों का उद्देश्य विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है, जिसमें अधिवक्ताओं, न्यायिक अधिकारियों और विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत ने यह सिद्ध कर दिया है ।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत पारा में महिला–बच्चों को किया गया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर लखनऊ पुलिस द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत सोमवार को थाना पारा क्षेत्र की पुरानी काशीराम कॉलोनी में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पिंक बूथ 26 की टीम ने महिलाओं और बच्चों से सीधे संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों, सुरक्षा तंत्र, यातायात नियमों तथा साइबर अपराध से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बताया गया कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक महिला के सुरक्षा के अधिकार और आत्मविश्वास का प्रतीक है। पिंक बूथ टीम ने स्पष्ट किया कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी परिस्थिति में महिलाओं को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। संवाद के माध्यम से महिलाओं और बच्चों को छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर उत्पीड़न जैसे मामलों में सतर्क रहने तथा बिना भय के शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया गया।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद के 54 थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं,।

लोधी राजपूत समाज का इतिहास शौर्य से भरा : केशव मौर्य

लखनऊ, (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि लोधी राजपूत समाज का

इतिहास शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति से भरा हुआ है। समाज के तमाम वीरों ने देश को एकजुट करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। मौका था सीएमएस गोमतीनगर में आयोजित अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के पहले स्थापना दिवस समारोह का। मुख्य अतिथि केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत के इतिहास में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह जी का नाम हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। पद व सत्ता की परवाह किए बगैर राम जन्मभूमि आंदोलन में शामिल होकर कहा था कि...सत्ता जाएगी तो जाए लेकिन मैं अपने राम से पीछे नहीं हटूंगा। उन्होंने कभी भी समाज को बांटने की राजनीति नहीं की। राष्ट्रवाद को प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में नेतृत्व की सोच बदली है। 2014 के पहले लोधी राजपूत समाज संघर्ष कर रहा था। उसके बाद उनको विकास की मुख्यधारा से जोड़ा गया। कार्यक्रम में सांसद आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सच्चिदानंदहरि साक्षी महाराज, राष्ट्रीय संरक्षक राजवीर सिंह राजू भैय्या, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह है।

एनसीएलएटी में एलडीए ने फिर दोहराया- अंसल टाउनशिप पर पहला हक उसका हक

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में सोमवार को अंसल मामले की फिर सुनवाई हुई। करीब डेढ़ घंटे तक चली बहस में एलडीए ने फिर यह दावा दोहराया कि अंसल सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप पर पहला अधिकार उसका है और उसके समर्थन में प्रमाण भी पेश किए। अब मंगलवार को फिर सुनवाई होगी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की ओर से फरवरी में अंसल को दिवालिया घोषित किए जाने के विरोध में राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में केस चल रहा है। सोमवार को इसकी सुनवाई हुई। इस दौरान एलडीए की ओर से कोर्ट में यहा दावा पेश किया गया कि अंसल कंपनी की हाईटेक टाउनशिप पर पहला अधिकार उसका है। इसको लेकर एलडीए की ओर से कंपनी से अनुबंध और हाईटेक टाउनशिप नीति को साक्ष्य के तौर पर पेश किया गया। टाउनशिप में मकान, प्लॉट और फ्लैट खरीदारों ने एलडीए के दावे का समर्थन किया। निवेशक और आवंटी गगन टंडन ने बुलंदशहर और मोहाली सहित कई अन्य पक्षों ने भी एलडीए का ही समर्थन किया। सुनवाई के दौरान अंसल की कंपनी की ओर से कोई अधिवक्ता मौजूद नहीं था। कोर्ट ने अंसल कंपनी और उसको कर्ज देने वाली संस्था आईएलएफएस को पक्ष रखने के लिए मंगलवार को बुलाया है। यदि उनके पक्ष में कोई नई बात आएगी तो खरीदार फिर अपना पक्ष रखेंगे।

चित्रों में हरिदर्शन ने किया मौन हिमालय से संवाद

लखनऊ, (संवाददाता)। कैसरबाग में लाल बारादरी स्थित राज्य ललित कला अकादमी में सोमवार को तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी की शुरुआत हुई। वाराणसी के वरिष्ठ कलाकार हरि दर्शन सांख्य के 108 चित्रों की इस प्रदर्शनी को नाम दिया गया है हिमालय रूद सेक्रेड साइलेंस ऑफ स्पिरिचुअलिटी। उन्होंने केवल हिमालय नहीं बल्कि उसमें निहित मौन, दिव्यता और चेतना को इस तरह से खींचा मानो वे संवाद कर रहे हों। प्रदर्शनी का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन ने किया। राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र, ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय कार्यालय के सचिव देवेंद्र त्रिपाठी, लेखक व क्यूरेटर अशोक महिंदरू और कला प्रेमी मौजूद रहे। अकादमी अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने कहा कि हिमालय की दिव्यता और सौंदर्य को यथार्थवादी शैली व सशक्त ब्रशवर्क के माध्यम से प्रस्तुत कर हरि दर्शन सांख्य ने कला जगत को गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में हिमालय के दूरस्थ क्षेत्रों में की गई यात्राओं के दौरान हरि दर्शन ने धुंध में छिपे प्राचीन मंदिरों, लोक कथाओं और सदियों पुरानी आध्यात्मिक परंपराओं को निकट से अनुभव किया, जिसका साफ असर उनके चित्रों में भी दिखाई दिया। अकादमी के निदेशक अमित अग्निहोत्री ने कहा कि हरि दर्शन की कृतियां केवल पर्वतों का चित्रण नहीं करती, बल्कि उनमें निहित आध्यात्मिक ऊर्जा और मौन को अनुभूति में बदल देती हैं। प्रदर्शनी 17 दिसंबर तक प्रतिदिन प्रातः 11 से शाम 6 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

शारदा बैराज बनेगा वेलनेस और ईको टूरिज्म का नया हब, यूपी ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने एजेंसी चयन प्रक्रिया की घोषणा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड ने लखीमपुर खीरी स्थित शारदा बैराज को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बोर्ड की ओर से इस परियोजना के लिए एजेंसी चयन प्रक्रिया की घोषणा की गई है, जिसके तहत शारदा बैराज को एक नए एकोमोडेशन और वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि वर्तमान तेज रफ्तार जीवनशैली में लोग एक बार फिर प्रकृति, आयुर्वेद और वेलनेस आधारित जीवन की ओर लौट रहे हैं। इसी बदलते रुझान को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश में मजबूत एकोमोडेशन और वेलनेस टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित करना समय की आवश्यकता बन गया है। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रमुख प्राकृतिक स्थलों को आधुनिक वेलनेस सुविधाओं से जोड़ते हुए ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां पर्यटकों को बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक अनुभव एक ही स्थान पर मिल सके।उत्तर प्रदेश ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की योजना के तहत चयनित एजेंसी को परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जहां आवासीय और वेलनेस सेंटर का विकास किया जाएगा। चयनित एजेंसी को सुविधाओं की योजना, डिजाइनिंग, निर्माण, वित्त पोषण और संचालन से जुड़े सभी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इसके साथ ही पर्यटकों और परियोजना परिसर की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी भी एजेंसी की होगी। बोर्ड संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। यह परियोजना ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस मॉडल के तहत आगे बढ़ाई जाएगी।इस परियोजना के लिए प्रारंभिक अवधि 15 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसमें आगे 15 वर्ष के अतिरिक्त विस्तार का विकल्प उपलब्ध रहेगा। यूपी ईको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड प्रत्येक पांच वर्ष में एजेंसी के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा और निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार भी बोर्ड के पास रहेगा। परियोजना के लिए किसी प्रकार का पूंजी अनुदान नहीं दिया जाएगा। आवास और वेलनेस सुविधाओं का संचालन चयनित एजेंसी द्वारा किया जाएगा, जिसके लिए वार्षिक प्रीमियम भुगतान मॉडल लागू किया जाएगा। इस परियोजना में प्रीफैब्रिकेटेड संरचनाओं को बढ़ावा दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है।पर्यटन मंत्री ने कहा कि लखीमपुर खीरी का शारदा बैराज एक अनोखे और बहुआयामी पर्यटन केंद्र के रूप में तेजी से विकसित होने जा रहा है, जहां वेलनेस टूरिज्म की शांति और वाइल्ड लाइफ का रोमांच एक साथ पर्यटकों को नया अनुभव प्रदान करेगा। घरेलू पर्यटकों के साथ–साथ विदेशी पर्यटकों की बढ़ती आमद से यह क्षेत्र इनबाउंड टूरिज्म का एक उभरता हुआ नया हॉटस्पॉट बनेगा।प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य अमृत अभिजात ने कहा कि शारदा बैराज को वेलनेस, वन्यजीव और प्राकृतिक अनुभवों के एक अद्भुत संयोजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि इस क्षेत्र को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए एक आकर्षक और सस्टेनेबल पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित किया जाए।निदेशक पर्यटन (ईको) पुष्प कुमार ने बताया कि शारदा बैराज में वेलनेस आधारित पर्यटन का यह मॉडल उत्तर प्रदेश में सस्टेनेबल विकास और गुणवत्तापूर्ण पर्यटन सुविधाओं की दिशा में राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस परियोजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और प्रदेश का पर्यटन ढांचा वैश्विक मानकों के अनुरूप और अधिक मजबूत होगा।

पेंशनर्स दिवस समारोह में जिलाधिकारी ने पेंशनर्स को किया सम्मानित

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन के निर्देश के क्रम मे गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 17 दिसम्बर 2025 को ''पेंशनर्स दिवस समारोह'' का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता मे किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने 80 वर्ष से अधिक आयु के पेंशनरों का माला पहनाकर, अंगवस्त्रम भेंट कर स्वागत करने के साथ किया। अति वरिष्ठ पेंशनरों मे 105 वर्षीय गोपीनाथ पाल, 94 वर्षीय अवध नारायण सिंह, 95 वर्षीय भगवान प्रसाद श्रीवास्तव, 90 वर्षीय महाबली यादव, 83 वर्षीय उमा शंकर मिश्रा, 82 वर्षीय ठाकुरी, 82 वर्षीय विकास कुमार श्रीवास्तव, 84 वर्षीय बाबू राम सिंह एवं अन्य संगठन के पदाधिकारियों श्री सी. बी. सिंह, सत्यदेव सिंह, उमाशंकर मिश्रा, बलिभद्र मिश्रा आदि को सम्मानित करते हुए समस्त पेंशनर्स एवं उनके प्रतिनिधियों को उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना जिलाधिकारी द्वारा की गयी। समारोह में जिलाधिकारी द्वारा 94 वर्षीय सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी श्री अवध नारायण सिंह को कार्यक्रम का अध्यक्ष नामित किया गया। जिलाधिकारी ने समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि पेंशनर्स से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का संवेदनशीलता के साथ त्वरित गति से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि यह अत्यंत गौरव का विषय है कि इतनी अधिक आयु में भी पेंशनर्स स्वस्थ एवं सक्रिय रूप से समाज के बीच उपस्थित हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेंशनर्स की सेवाओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि पेंशनर्स को किसी भी कार्यालय में किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने समस्त विभागध्यक्ष को निर्देशित किया कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति सम्बन्धित प्रकरणों में संवेदनशीलता बरतते हुए शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करें, ऐसे प्रकरण लम्बित नही रहने चाहिए। इसी क्रम में वरिष्ठ कोषधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कोषागार द्वारा 24386 पेंशनरों की पेंशन एवं 3161 पेंशनरों को 80 वर्ष से ऊपर के लाभ का भुगतान किया जा रहा है। पेंशनरों के वार्षिक जीवन प्रमाण पत्र की व्यवस्था को भी ऑनलाइन किये जाने का प्रयास किया गया है। वर्तमान मे 14604 पेंशनरों का जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन प्राप्त किया गया है। इसके अलावा मैनुवल फॉर्म भरा कर तथा अशक्त पेंशनरों का उनके घर पर भी जा कर सत्यापन किया गया है और बराबर किया भी जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी पेंशनर्स को नमन करते हुए उनके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि 90, 95 एवं 100 वर्ष से अधिक आयु तक स्वस्थ जीवन जीना संयम, अनुशासन एवं त्याग का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने पेंशनर्स के परिजनों से अपील की कि बुजुर्ग पेंशनधारी परिवार एवं समाज की धरोहर हैं, उनकी सेवा एवं सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। सेवा ही सबसे बड़ी पूंजी है और बुजुर्गों का आशीर्वाद जीवन को सफल बनाता है। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु वरिष्ठ कोषाधिकारी एवं आयोजकों सहित अन्य सहयोगियों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने एसआईआर के सम्बन्ध में वरिष्ठ नागरिकों को अवगत कराया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पेंशनर्स का सम्मान करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर तथा कोषागार के समस्त कार्मिक, विभिन्न विभागों के कार्यालयध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित कार्यालय के वरिष्ठ कार्मिक 200 की संख्या मे सेवानिवृत्त पेंशनर्स उपस्थित रहे।

जनवादी लेखक संघ व शहीद भगत सिंह स्मृति ट्रस्ट की संयुक्त बैठक सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।जनवादी लेखक संघ व शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट की संयुक्त बैठक आभा होटल सभागार में संघ के अध्यक्ष जफर साहब की अध्यक्षता और ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी के संचालन में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य एजेंडा काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर अमर शहीद राजेंद्र नाथ लाहिड़ी के शहादत दिवस 17 दिसंबर से 19 दिसम्बर तीन दिवसीय शहादत दिवस समारोह मनाने का निर्णय लिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए जलेस के सचिव डॉ विशाल श्रीवास्तव ने कहा कि यह साल काकोरी एक्शन का सौवां साल है इसलिए काकोरी के महानायकों को याद करते हुए उनके विचारों को आम जनता तक ले जाने की हमारी सबकी बड़ी जिम्मेदारी है।कोषाध्यक्ष मुजम्मिल फिदा ने कहा कि काकोरी के नायक पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रौशन सिंह, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और अमर शहीद अशफाक उल्लाह खान का शहादत दिवस समारोह 17 दिसंबर को देवकाली में एक स्कूल पर दस्ताने काकोरी, दस्ताने अशफाक पर किस्सा गोई जो लखनऊ के रंगकर्मियों शहजाद रिजवी और फरजाना महदी द्वारा किया जाएगा इस कार्यक्रम में मुखरूप कबीर ,पूजा श्रीवास्तव,अखिलेश सिंह,महावीर पाल को मंच और तैयारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने बताया कि काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक रूप से काकोरी के शहीदों की शहादत को तीन दिवसीय मनाया जाएगा,सत्रह को किस्सा गोई,अठारह को पुष्पराज चौराहे पर शहादत की पूर्व संध्या पर मूर्ति की सफाई और कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया जाएगा,और 19 दिसम्बर को शहादत के दिन याद करो कुर्बानी मार्च जो पुष्पराज चौराहे बिजली दफ्तर प्रांगण से जेल तक मार्च निकालकर अमर शहीद अशफाक उल्लाह खान की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित किया जाएगा।बैठक में डॉ विनीता कुशवाहा, एडवोकेट इल्तिफाक माहिर,मौलाना सफीक,पूजा श्रीवास्तव, मुजम्मिल फिदा,रविन्द्र कबीर, ओमप्रकाश रोशन,शशिकांत नन्द,महावीर पाल,गुड्डू डॉ आरडी आनंद,सहित साथी मौजूद रहे।

रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी, एक नई उम्मीद

'लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ में बुधवार को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लोगों को जानकारी दी गई कि रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद वह अपने जीवन में नया बदलाव ला सकते हैं। इस कार्यक्रम का शीर्षक 'श्बैक टू लाइफश' रहा इस दौरान दो सौ से अधिक लोग मौजूद रहे, जिसमें डॉक्टर्स समेत मरीज व उनके परिजन भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मेदांता हॉस्पिटल में एक मीट एंड ग्रीट समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मरीज के परिवार के सदस्यों , डॉक्टरों और हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस समारोह में मरीजों ने अपने अनुभव साझा किये और बताया कि कैसे रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी ने उनके जीवन को बदल दिया। इसके अलावा मरीजों ने बताया कि जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी से उनकी जिंदगी कैसे आसान हुई, अब वो चलना फिरना, बाजार जाना, साइकलिंग, स्कूटी या कार चलाने जैसे कार्य आराम से कर पाते हैं। कार्यक्रम के शुरुआत में 'आर्थोपैडिक एवं रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. धर्मेंद्र सिंह' ने लोगों को जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद जीवन में होने वाले बदलाव के बारे में जानकारी दी, उन्होंने बताया कि रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी एक सुरक्षित और प्रभावशाली तकनीकी प्रक्रिया है। इसमें घुटने का एलाइनमेंट बेहद सटीक हो जाता है और इस सर्जरी के बाद लोगों को जीवन में नई आस मिलती है और उन्हें आत्मनिर्भर और सक्रिय जीवन जीने में मदद मिलती है। डॉ सिंह ने बताया कि जो लोग ऑस्टिओआर्थरइटिस से ग्रसित हैं या उन्हें सालों से लगातार जोड़ों के दर्द में रहना पड़ता है तथा रोजमर्रा की आजादी भी खत्म होने लगती है और वो दूसरों पर निर्भर होने लगते हैं उन लोगों के लिए रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी दर्द निवारक की तरह काम करती है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 80 से 85 वर्षीय मरीज रहे, जिन्हें सफल रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद चलते हुए देखना था।

संक्षिप्त खबरें

एडी अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने अयोध्या मंडल सहित किया तीन मंडलों की समीक्षा बैठक,मिली खामियां

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।बुधवार को अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने अयोध्या में तीनों मंडलों की समीक्षा बैठक की।तीनों मंडलों के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की जरूरत है।यह बैठक मंडल आयुक्त सभागार में आयोजित की गई थी।अयोध्या, देवी पाटन और प्रयागराज मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा हुई।13 से 15 दिसंबर के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए टीमें गठित की गईं थी।टीमों ने स्वास्थ्य इकाइयों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।अयोध्या मंडल में 2240 स्वास्थ्य इकाइयों में से 1154 का निरीक्षण किया गया।देवी पाटन मंडल में 1873 में से 990 स्वास्थ्य इकाइयों की जांच हुई।प्रयागराज मंडल में 2256 में से 1313 इकाइयों पर टीमें भेजी गईं।इस निरीक्षण प्रक्रिया को "सपोर्टिव सुपरविजन" नाम दिया गया।निरीक्षण के दौरान 700 से अधिक बिंदुओं पर चेकिंग की गई।जांच में कई स्वास्थ्य इकाइयों पर सुधार की जरूरत सामने आई।रविवार को लगने वाले आरोग्य मेलों में मरीजों की कम संख्या पर चिंता जताई गई।आरोग्य मेलों के प्रचार–प्रसार को बढ़ाने के निर्देश दिए गए।सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर पुरुष और महिला के लिए अलग–अलग शौचालय बनाने के निर्देश।सिटीजन चार्टर के तहत शिकायतदृसुझाव पेटिका लगाने और अभिलेखों के रखरखाव में सुधार के आदेश दिए गए।

ठंड के बावजूद अलाव न जलने से जानवर और राहगीर हो रहे हैं परेशान – सरोज यादव

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।समाजवादी पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती सरोज यादव ने कहा कि लगातार बढ़ रही ठंड से आम जनता, छोटी दुकानदार और बेजुबान पशु बेहद परेशान हैं। ठंड से बचाव के लिए नगर निगम की ओर से अब तक अलाव की कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है, जिसकी वजह से लोग कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शायद नगर निगम के अधिकारियों को ठिठुरन का एहसास नहीं है, क्योंकि वे तो कम्बल और ब्लोअर में सुरक्षित हैं। मगर आम जनता तो मामूली साधनों में ही अपना गुजारा करती है। अलाव जलने से लोगों और जानवरों दोनों को राहत मिलती है, लेकिन पूरे अयोध्या में कहीं भी अलाव की व्यवस्था नजर नहीं आ रही है।टैक्स समय पर वसूला जाता है, लेकिन जब व्यवस्था की बात आती है तो नगर निगम पीछे नजर आता है। शहर की सड़कों की हालत भी खस्ताहाल हैकृकहीं गड्ढे हैं, तो कहीं मिट्टी और धूलकृजिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, खासकर कोहरे के मौसम में अधिक है।कहा कि महापौर एवं नगर आयुक्त की जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों और पशुओं की सुरक्षा एवं जरूरतों का ध्यान रखें, अलाव की व्यवस्था कराएं, सड़कों को दुरुस्त कराएं, और नगर की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराएं। लेकिन वर्तमान में वे इन जिम्मेदारियों को निभाने में असफल साबित हो रहे हैं।

थाना हैदरगंज क्षेत्र मे युवक की धारदार हथियार से हत्या

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।मंगलवार देर शाम हैदरगंज थाना क्षेत्र में विजय श्याम विश्वकर्मा (35) की नृशंस हत्या से पूरा गांव गम और सदमे में डूब गया। शाम लगभग 7रू30 बजे अज्ञात हमलावरों द्वारा चाकू से किए गए हमले में विजय श्याम विश्वकर्मा की मौत के बाद उनके घर का चिराग हमेशा के लिए बुझ गया।मिली जानकारी के मुताबिक मृतक विजय श्याम रोज की तरह काम से हैदरगंज जा रहे थे, लेकिन सीहीपुर कसिया डाडे गंगानगर के पास मोड़ पर पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन पर अचानक धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया।स्थानीय लोगो ने गंभीर रूप से घायलावस्था में उन्हें सीएचसी हैदरगंज लाया गया,जहां पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।उनके मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया।वही पत्नी बेसुध हो गईं, जबकि मासूम बेटे अंश और बेटी अंशिका अपने पिता को बार–बार पुकारते रहे।यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर आंख नम हो गई। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहन यादव ने बताया कि विजय श्याम बेहद मेहनती और सरल स्वभाव के थे।युवक की हत्या के मामले मे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया इसमें शामिल कुछ संदिग्ध लोगो को हिरासत में लेकर हैदरगंज पुलिस पूछताछ कर रही है।

अयोध्या बस स्टेशन से 147 बसों मे से पीएम मोदी की रैली मे 68 बसें होगी रवाना –आदित्य प्रकाश

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या।अगले सप्ताह 23 दिसंबर से 26 दिसंबर तक अयोध्या धाम व अयोध्या बस स्टेशन सिविल से जाने वाले रोडवेज बस यात्रियों को कुछ मुसीबत का सामना यात्रा करते समय पड़ सकती है।क्योंकि अयोध्या परिक्षेत्र से लगभग 200 बसें 25 दिसंबर को लखनऊ में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की होने वाली रैली में जाएगी।इस संबंध में जानकारी देते हुए सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या बस स्टेशन आदित्य प्रकाश ने बताया कि अयोध्या परिक्षेत्र से लगभग 200 बसें 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री की होने वाली रैली में शामिल होने जा रही है। बताया कि देखा जाए तो अयोध्या डिपो से इस समय कुल 147 रोडवेज बसों का संचालन विभिन्न रूटों पर हो रहा है।जिसमें से 121 बसें रोडवेज की है तथा शेष 26 बसें रोडवेज विभाग से अनुबंधित हैं।अयोध्या डिपो से 68 बसें लखनऊ रैली में शामिल होने के लिए जाएगी।यह सभी बसें अयोध्या बस स्टैंड डिपो से 23 दिसंबर को हुई निकल कर 23 दिसंबर की रात या 24 दिसंबर को बाराबंकी में रिपोर्ट करेंगे।वहां पर जाने वाली 68 बसें 26 दिसंबर को शाम तक आने की संभावना है।वहां पर रैली में शामिल होने के लिए बसों के जाने से रोडवेज बसों के संचालन में कुछ प्रभाव पड़ेगा।जिसके चलते उन्होंने इन दिनों खास कर 23 दिसंबर से लेकर 26 दिसंबर के बीच बस यात्रियों को अपील किया कि इस दौरान कुछ परेशानियों का सामना उठाना पड़ सकता है।

संक्षिप्त खबरें

जान से मारने की नियत मे शामिल सात आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या मंगलवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने हमलावरो द्वारा जान से मारने की नीयत से इसमें शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया इस संबंध में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया इस समय वंचित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है।बताया कि यह कार्यवाई थानाध्यक्ष तारुन संदीप त्रिपाठी थानाध्यक्ष व थाना अध्यक्ष हैदरगंज विवेक कुमार राय थानाध्यक्ष

हैदरगंज व स्वाट टीम के कुशल नेतृत्व में गठित सयुंक्त पुलिस टीम द्वारा की गई।बताया कि पीड़ित शिवकुमार पुत्र स्व0 भगवानदीन वर्मा निवासी ग्राम सुखदेव तिवारी का पुरा सोनौरागाऊपुर थाना तारुन को 08 दिसंबर को 07.30 बजे घर से डेरी पर दूध देने जाते समय भवानीगढ जंगल सोनौरागाऊपुर थाना तारून जनपद अयोध्या के पास अज्ञात लोगों द्वारा रास्ता पूछने के बहाने रोक कर जान से मारने की नियत से लाठी डण्डा, लोहे की राड से मारे पीटे, व गाली दिया, शोरगुल सुनकर स्कूल जा रहा मजरूब का लड़का आयुष वर्मा व अन्य लोग दौड़े तो अज्ञात व्यक्तियो द्वारा जान से मारने की धमकी देते हुए अपनी अपनी मोटर साईकिल से भाग गये।पुलिस टीम ने इसमे शामिल आरोपी नागेंद्र तिवारी पुत्र स्व0 भगवान दत्त तिवारी निवासी सोनौरा गाऊपुर थाना तारून,बृजेश तिवारी पुत्र शिवशंकर तिवारी निवासी कन्धई तिवारी का पुरवा सोनौरागाऊपुर थाना तारून,पवन पाठक उर्फ विकास पुत्र रामजी पाठक निवासी पलिया गोवा थाना पूराकलन्दरध्आदर्श यादव उर्फ भोलू पुत्र संतराम निवासी बीबीपुर थाना पूराकलंदर,नरेन्द्र पाण्डेय पुत्र शिवशंकर पाण्डेय निवासी साल्हेपुर निमैचा थाना रौनाहीध्प्रेम तिवारी उर्फ रिंकू पुत्र सुरेन्द्र तिवारी निवासी सेनपुर थाना भीटी जनपद अम्बेडकरनगर व अभिषेक गौड़ पुत्र श्रवण गौड़ निवासी सेनपुर थाना भीटी जनपद अम्बेडकरनगर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुकदमा उपरोक्त में नामित अभियुक्त नागेन्द्र तिवारी पुत्र भगवान दत्त तिवारी का मजरूब शिवकुमार वर्मा से पुरानी रंजीश चल रही है तथा दिनांक 07.12.2025 को पुरानी रंजीश के कारण ही अभियुक्त नागेन्द्र तिवारी उपरोक्त द्वारा शिकायत कर्ता को जान से मारने की धमकी दी गयी थी उक्त घटना के क्रम में अभियुक्त नागेन्द्र तिवारी व उनके सहयोगियों द्वारा उसी पुरानी रंजीश के सम्बन्ध में मजरूब शिवकुमार वर्मा को जान से मारने का षड्यंत्र करके घटना का अंजाम दिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से बुलेट बाइक समेत स्प्लेंडर, डंडा, लोहे की राड बरामद किया है।

ठंड से राहत के लिए जौनपुर में रैन बसेरे व अलाव की व्यवस्था तेज, एडीएम ने किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,प्रदेश सरकार के निर्देश पर जनपद में शीतलहर व गलन से लोगों को बचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरे एवं अलाव की व्यवस्था शुरू कर दी गई है, ताकि जरूरतमंदों, यात्रियों एवं असहाय लोगों को ठंड से राहत मिल सके। नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा रोडवेज बस स्टैंड परिसर में रैन बसेरे की व्यवस्था की गई है। यहां कुल 16 चारपाइयां लगाई गई हैं, जिन पर अच्छी गुणवत्ता की रजाइयां एवं गद्दे उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही यात्रियों को ठंड से बचाने के लिए अलाव की भी व्यवस्था की गई है महिलाओं और पुरुषों को ठहराने के लिय अलग अलग व्यस्था की गई है। । रैन बसेरे की साफ–सफाई एवं रखरखाव के लिए रोडवेज परिसर के कर्मचारियों की तैनाती की गई है। रैन बसेरे की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजय अंबष्ट ने रोडवेज परिसर स्थित रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों से पूछताछ की तथा आगंतुकों के रजिस्टर की भी जांच की। उन्होंने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस संबंध में जानकारी देते हुए एडीएम अजय अंबष्ट ने बताया कि शासन से स्पष्ट निर्देश प्राप्त हैं कि ठंड के कारण किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। इसी के तहत जनपद के सभी 12 नगर निकायों में रैन बसेरे एवं अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जौनपुर नगर में बस स्टैंड पर नगर पालिका परिषद द्वारा रैन बसेरा संचालित किया जा रहा है, जहां पर्याप्त संख्या में बिस्तर, चादर, बेड, पीने के पानी तथा शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध है। यदि कोई यात्री रात में घर नहीं जा पाता है तो वह यहां सुरक्षित एवं आरामदायक ढंग से विश्राम कर सकता है। उन्होंने बताया कि नगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर भी अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। इसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हालांकि अलाव को लेकर कुछ स्थानों पर प्रारंभिक दिक्कतें हैं, लेकिन जहां अत्यधिक आवश्यकता है, वहां अलाव जलाए जा रहे हैं। रेलवे स्टेशन पर रैन बसेरे की व्यवस्था के संबंध में एडीएम ने बताया कि गत वर्ष रेलवे स्टेशन पर रैन बसेरा लगाया गया था, लेकिन इस वर्ष रेलवे अधीक्षक द्वारा इस पर आपत्ति जताई गई है। इसके लिए रेलवे प्रशासन को अपने उच्च अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। इस विषय पर रेलवे अधिकारियों से लगातार वार्ता की जा रही है और शीघ्र ही अनुमति मिलने पर रेलवे स्टेशन परिसर में भी रैन बसेरे की व्यवस्था कर दी जाएगी।

हत्यारे बेटे ने कबूल किया जुर्म , इलेक्ट्रॉनिक आरी से पांच टुकड़ों के कटा कर शव बोर में भरकर नदी में फेका

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिस एकलौते बेटे को माता पिता ने पढ़ा लिखाकर बड़ा किया और शिक्षित बनाया,उसी बेटे ने महज कुछ रुपयों के लिए अपने माँ बाप की आरी से कई टुकड़े कर उनकी जघन्य हत्या कर दी और उनकी लाश को बोरे में भरकर गोमती नदी में फेंक दिया।माता पिता की खोज में बड़ी बहन ने स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया।मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस हरकत में आई और कातिल दरिंदे बेटे को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। मामला थाना जफराबाद क्षेत्र के अहमदपुर का है।जहां रेलवे में लोको पायलट से सेवानिवृत्त श्याम बहादुर अपनी पत्नी बबिता के साथ अपने तीन मंजिला मकान में रहते थे।उनके तीन पुत्रियां जिनकी शादी हो चुकी है।इकलौते पुत्र अम्बेश जोकि बीटेक पास है तथा वह कोलकाता की एक कंपनी में क्वालिटी इंजीनियर के रूप में कार्यरत था।उसने छह वर्ष पूर्व कोलकाता की ब्यूटी पार्लर मुश्लिम मंजिला से प्रेम विवाह कर लिया था।जिससे उसके माता पिता अपने बेटे से नाराज रहते थे और उन्होंने उसकी पत्नी को कभी अपनी बहू के रूप में स्वीकार नही किया।वह चाहते थे कि उनका बेटा अम्बेश अपनी पत्नी से तलाक ले ले। अम्बेश छह माह पूर्व जौनपुर अपने माता पिता के पास आकर रह रहा था।जानकारी के अनुसार रुपयों को लेकर अम्बेश की लगातार उसके माता पिता से झगड़ा व विवाद होता रहता था।बीते आठ दिसम्बर को शाम सात बजे के लगभग अम्बेश की अपने माता पिता के साथ खूब जमकर झगड़ा हुआ उसने क्रोध में आकर सबसे पहले अपनी माता के सिर पर सिलबट्टे से प्रहार कर दिया बीच बचाव में आकर पिता के चींखने पर उनके ऊपर भी सिलबट्टे से प्रहार कर दिया जिससे पुलिस के अनुसार उन दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गयी। पुलिस के अनुसार माता पिता की मौत के बाद अम्बेश ने आरी से उन दोनो के लगभग 10 टुकड़े किए और सीमेंट की छह खाली बोरी में भरकर अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से बेलाव के पुल से गोमती नदी में फेंक दिया। मामले का बुधवार को खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि मृतक के लड़के ने अंबेश ने बताया कि उसने पारिवारिक कारणों और पैसे के लिय अपने माता पिता की हत्या किया।उसके बताए जगह से हत्या में प्रयोग किया सील बट्टे और धारदार हथियार आरी जिससे उसने बाड़ी को टुकड़ों में काटा था उसे भी बरामद कर लिया है।लड़के ने पहले अपनी मां को मारा इसपर पिता द्वारा शोर मचाने लगे कही कोई आसपास का आ न जाया इससे बौखाये बेटे में उसी हथियार से पिता को भी मारा कर हत्या कर दिया। हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के लिय उसने दोनों के शरीर के इलेक्ट्रॉनिक आरी से पांच टुकड़ों में काट कर कुल छ बोरियो में भरकर रात भर घर की सफाई करता रहा और भोर में लगभग 5 बजे उसने बोरी को गाड़ी में भरकर बेलवा घाट गोमती नदी में लाश को गिराकर फरार हो गया।इस मामले में बेटे ने बताया कि पैसे को लेकर बहनों से कोई विवाद नहीं था।कोई नशा भी नहीं करता था।अभी तक सीसीटीवी कैमरे से कोई फुटेज नहीं बरामद है।पिता का शव बरामद कर लिया गया है जबकि मां के शव की तलाश जारी है।इस काम के लिय कुल15 गोताखोरों की टीम लगाई गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।